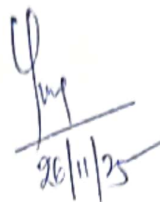
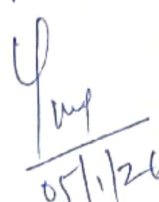
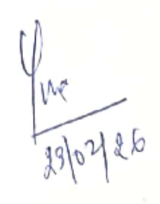




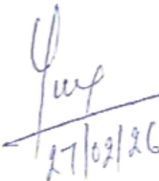
हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख आह्वान जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
<p>5 पत्रावली पेश हुई। वकील अभयपक्ष उपस्थित। अप्राथमिक द्वारा फर्द दस्तावेज पेश, शाब्काव पत्रावली वास्ते बट्टा दि. 05/01/26 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  26/1/25 </p>	
<p>6 पत्रावली पेश हुई। वकील अभयपक्ष उपस्थित। बट्टा हेतु अवसर चाहा, जो दिया गया। पत्रावली वास्ते बट्टा दि. 23/02/26 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  05/1/26 </p>	
<p>02/26 पत्रावली पेश हुई। वकील अभयपक्ष उपस्थित। बट्टा सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेश WS 212 R.T. Act दि. 09/02/26 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  09/02/26 </p>	
<p>02/26 पत्रावली पेश हुई। वकील अभयपक्ष उपस्थित। बट्टा अभयपक्ष के परिप्रेक्ष्य में पत्रावली पर अलोक्य रिकॉर्ड का अल- लोक्य किया गया। धारा-212 R.T. Act r.w. 8 SJR 182 CP को अपेक्षित adjudge करके के विरुद्ध निम्न 03 विंडो में जांचता आवेदन है :- (अ) प्रकरण प्रथम दृष्टया ग्राम मोड़ी परिवार हल्का मारगिया तहसील रायपुर का</p>	<div style="text-align: right;">   </div>

कार्यवाही हुनम २०१०-११ के सत्र है कि मारवाडा
 कृषि एवं पशु ७१० रकबा २०५२०६ का प्रार्थी कृषि
 जमीन हुनम है कि मारवाडा ने भी स्वीकार किया
 है और मारवाडा द्वारा इस प्रमाण कोई एक न
 स्वीकार नहीं किया है या: प्रकरण प्रमाण प्रमाण
 नहीं है इस में साबित है।

(६) हुनम या हुनम :- प्रार्थी का कथन है कि
 २००७-०८ की चरित्रा में दे स्तरी करीब १०
 दिवस भूमि पर मारवाडा द्वारा मजदूरी काया कर
 लिया जिससे प्रार्थी को जमीनी अधिकारी का हाना
 हुआ है तबले protection के लिए प्रार्थी को समझ
 देना आवश्यक है। प्रार्थी से प्रार्थी का गतिम व्यक्ति
 है जबले मारवाडा राज्य राज्य के बनेगाली/ती
 है। मारवाडा मारवाडा का कथन है कि इनके
 प्रार्थी की भूमि पर कभी कोई कानून नहीं किया
 है। प्रार्थी की भूमि की सम्पत्ति निम्न ने
 कई बार सीमास्थान कर दिया है, प्रत्येक बार
 कोई मारवाडा नहीं मारवाडा है। प्रार्थी आदतन
 मारवाडा है और से प्रार्थी का हीने का दुरुपयोग
 कर निम्न मारवाडा को मारवाडा कर मारवाडा
 को प्रमाण करवा रहा है। ADJ court ने भी मारवाडा
 को प्रार्थी द्वारा लगाए छूट मुकदमे में भी किया है।

प्रार्थी द्वारा ऐसा कोई इस्तमाल पेश नहीं
 किया है जिससे मारवाडा द्वारा कानून नहीं या
 लगाया देना साबित होना है जबले मारवाडा द्वारा
 सम्पत्ति हीने की सीमास्थान रिपोर्ट दिनांक २१/११/२०१३
 मारवाडा मारवाडा के जमाने दिनांक २१/११/२०१३,
 सम्पत्ति निम्न की मारवाडा रिपोर्ट दिनांक ०३/११/२०१३
 व ०५/०८/२०१५, ०९/०८/२०१५ व ०५/०३/२०१५ तथा मारवाडा
 मारवाडा को (ST/SC) मारवाडा के मारवाडा मारवाडा २०
 ५०/१३ में दिने मारवाडा दिनांक २०/११/२०१३ मारवाडा के



तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
	<p>अवलोकन से स्पष्ट है कि अप्राथमिक का प्राचीन की भूमि पर कोई कब्जा नहीं है। प्राचीन ने स्वयं अप्राथमिक की लगना भूमि के छोड़े से भाग पर कब्जा कर रखा है। अतः स्वामित्व करने से अप्राथमिक को वादी अनुविधा होगी, प्राचीन के khatedari rights का कोई हानि/मिन्नता दिया जाना चाहिए नहीं होता है। अतः उपरोक्त विवेचन से प्रकर में सुविधा का संतुलित प्राचीन पक्ष में साबित नहीं है।</p> <p>(स) अप्रुचीय दावे - जब प्राचीन की भूमि पर अप्राथमिक का कोई भी, किसी भी प्रकार का कब्जा होना साबित नहीं है तो फिर अप्रुचीय दावे कारित होना भी साबित नहीं है।</p> <p>२. उपरोक्त विवेचन व विरलेषण तथा पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में प्राचीन का प्रारंभ प/स २१२ RT Act Y.W.O. 39 R 152 CPC खारिज दिया जाता है। प्रकर फैलल शुमाह होकर अन्तर से काम होकर मूलवास के साथ संलग्न है।</p> <p style="text-align: center;">  27/02/26 </p>	